महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनेंगे 12 पिंक पुलिस बूथ

- स्थानों को चिह्नित करने का क्रम शुरू
- महिला सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिये एसपी की कवायद तेज
- किसी भी तरह की समस्याओं की शिकायत कर सकेंगीं महिलायें

क्राइम मैपिंग सिस्टम से होगा स्थान का चयन

बूथ जनपद के उन स्थानों पर स्थापित किए जाएंगे, जहां महिलाओं के साथ होने वाले अपराध अधिक हैं। इसके लिए पुलिस क्राइम मैपिंग सिस्टम का सहारा ले रही है। इससे चेन, पर्स व मोबाइल झपटमारी और महिला अपराध से जुड़ी अधिक घटनाओं वाले इलाके की पहचान की जा रही है। इन्हीं चयनित स्थानों पर पिंक बूथ का निर्माण होगा। एसपी मोहम्मद मुश्ताक ने बताया कि पिंक बूथ में अगर कोई महिला आकर शिकायत करती है तो उसे तुरन्त मदद मिलेगी। पुलिसकर्मी वहीं से महिला की सहायता करते हुए परिजनों से संपर्क करेंगी।

ललितपुर ब्यूरो : महिला सुरक्षा को बेहतर बनाने व अपराध पर लगाम लगाने के लिये पुलिस अधीक्षक मोहम्मद मुश्ताक की कवायद लगातार रंग ला रही है। जिले में 12 और नये पिंक पुलिस बूथ बनेंगे। साथ ही, महिलाओं की सहायता के लिए इन बूथों पर पिंक वाहन भी होंगे। पुलिस ने प्रस्ताव तैयार कर लिया और पिंक बूथ के लिए स्थानों को चिह्नित करने का काम शुरू कर दिया गया है। इन बूथों में महिलायें किसी तरह की समस्याओं की शिकायत कर सकेंगी। महिला पुलिसकर्मी त्वरित कार्रवाई कर उनको सुरक्षित माहौल देंगी। इसकी निगरानी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी करेंगे।

छेड़खानी हो अथवा अन्य समस्यायें, महिलायें थाने में जाने से कतराती हैं। अब महिलायें और लड़कियां बेहिचक अपनी बात महिला पुलिस के सामने रख सकेंगी, इसके लिए जिले में पिंक बूथ बनाये जा रहे हैं। जहां पर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती होगी।

गृह मंत्रालय की तरफ से सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत महिला सुरक्षा के लिये पिंक बूथ बनाने की कवायद जिले में तेज हो गयी है।

इसी के तहत पिछले माह कोतवाली क्षेत्र स्थित नई बस्ती क्षेत्र में एक पिंक बूथ खोला जा चुका है। इसी के तहत 12 और नये पिंक बूथ खोलने की तैयारी शुरू हो चुकी है। जिले में भी इसकी तैयारी चल रही है। ऐसे स्थानों को चिह्नित किया जा रहा है जहां महिलाओं का आवागमन अधिक है। यहां बूथ बनाकर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जायेगी। बूथ में महिला अपराध से जुड़े सभी मामलों का निस्तारण किया जाएगा। पुलिस पिंक बूथ का मॉडल लगभग तैयार कर चुकी है। यहां पुलिस के लिए जरूरी सभी तरह के संचार माध्यम होंगे।

इनका कहना है

जिले में महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के लिए नये कदम उठाये गए है। इसके लिये पिंक बूथ बनाये जा रहे है। आम तौर पर महिलायें अपने साथ होने वाली घटनाओं व समस्याओं को पुरुष पुलिसकर्मियों के सामने रखने में संकोच करती है।

इस समस्या के निराकरण के लिए थाने में महिला हेल्प डेस्क की स्थापना हो चुकी है। यहां भी महिला पुलिसकर्मी ही तैनात रहती है , जिनका काम सिर्फ महिलाओं की समस्यायें सुनना है। कार्यवाही के लिए थाने के पुरुष पुलिसकर्मी ही जाते है। इसलिए अब पिंक बूथ बनाये जा रहे है। जो थाने से दूर भीड़-भाड़ वाले इलाकों में बनेंगे। पिंक बूथ में जाकर महिलायें और लड़कियां अपनी समस्याएं कह सकती है। मामले की जांच के लिए भी महिला पुलिसकर्मी ही जायेंगी।

मोहम्मद मुश्ताक, पुलिस अधीक्षक